अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियां
कृषि कुंभ (सितंबर, 2023),
खण्ड 03 भाग 04, पृष्ठ संख्या 22–24

स्वास्थ्य और पोषण की दिशा में काम करने वाली राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियां

आकांक्षा सिंह एवं डॉ प्राची शुक्ला
यंग प्रोफेशनल, सहायक प्रोफेसर
मानव विकास और परिवार अध्ययन विभाग, सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय
आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कुमारगंज, अयोध्या (उ.प्र.), भारत।
Email Id: singhakku3216@gmail.com

विकासशील देशों में भारत में कुपोषण से पीड़ित बच्चों की दर सबसे अधिक है। भारत में, लगभग आधे बच्चे कुपोषित हैं, और हर साल, लगभग दस लाख शिशु एक महीने का होने से पहले ही मर जाते हैं। नई माताओं में एक बड़ा हिस्सा किशोरियों का है और उनमें से अधिकांश एनीमिया से पीड़ित हैं। गर्भावस्था के दौरान इन माताओं का वजन वैश्विक मानक से आधा बढ़ जाता है। भारत में कुपोषण और मातृ एवं शिशु मृत्यु दर भी भयावह रूप से अधिक है। 60 मिलियन बच्चे कम वजन के हैं और आधे अपनी उम्र के हिसाब से बहुत छोटे (अत्यधिक कुपोषित) हैं। यूनिसेफ के अनुसार, भले ही 1990 और 2009 के बीच भारत में अल्पपोषण की व्यापकता 40 %से घटकर 29% हो गई, फिर भी यह दर अपेक्षाकृत अधिक है। शिशु मृत्यु दर (आईएमआर) और पांच वर्श से कम उम्र की मृत्यु दर के मामले में तुलनीय स्वास्थ्य संकेतकों के साथ अन्य विकासषील देषों की तुलना में भारत अच्छा प्रदर्षन करता है। खाद्य सुरक्षा के उपाय के रूवनज में पांच वर्षा से कम उम्र के बच्चों में कम वनज का उपयोग करते समय, भारत का प्रदर्षन खराब है, इसकी दर उप–सहारा अफ्रीका के बराबर है। भारत सरकार ने पिछले कुछ वर्शों के दौरान इसे स्वीकार किया है और बाल कुपोशण से लड़ने के लिए कई कार्य{मों को बढ़ाया, सुव्यवस्थित और बनाया है। इन दृश्टिकोणों में कुछ समस्याएँ और कठिनाइयाँ बनी रहती हैं। फिर भी, जो देष तुलनीय वातावरण में बाल कुपोशण को कम करने की तैयारी कर रहे हैं, उन्हें इन पहलों और उनसे सीखे गए सबक के बारे में जागरूक होना मददगार हो सकता है।

खाद्य एवं पोषण की दिषा में कार्य करने वाली महत्वपूर्ण राश्ट्रीय एजेंसियां :

राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरणः

एनएचए प्रमुख स्वास्थ्य योजना 'आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जीवन आरोग्य योजना (पीएम–जेएवाई)' के कार्यान्वयन की देखरेख के लिए सोसायटी पंजीकरण अधिनियम के तहत गठित एक स्वायत्त निकाय है। यह भोजन और पोषण की दिशा में काम करने वाली राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों का एक उदाहरण है।

1. राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण का नेतृत्व केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री करते हैं।
2. भारत सरकार के सचिव स्तर का एक अधिकारी निकाय के मामलों के प्रबंधन के लिए मुख्य कार्यकारी अधिकारी के रूप में कार्य करता है।

कार्यः

1. मानकीकरण और सूचना साझाकरण सुनिश्चित करने के लिए, एनएचए पीएम–जेएवाई, मॉडल दस्तावेजों और अनुबंधों से संबंधित विभिन्न कार्यात्मक दिशानिर्देश तैयार करता है।
2. एनएचए सरकार के निवेश को अधिकतम करने के लिए पीएम–जेएवाई के माध्यम से सार्वजनिक स्वास्थ्य खरीद के लिए रणनीति तैयार करता है।
3. एनएचए राज्य स्वास्थ्य एजेंसियों के लिए जिम्मेदार निकाय के रूप में कार्य करके पीएम–जेएवाई के कार्यान्वयन में सहायता करता है।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान:

राष्ट्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण संस्थान (छफ्ॅ) की स्थापना 1977 में राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रशासन और शिक्षा संस्थान और राष्ट्रीय परिवार नियोजन संस्थान को मिलाकर की गई थी।

1. यह स्वस्थ शरीर दिल्ली में स्थित है।
2. एनआईएचएफडब्ल्यू स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं और स्वास्थ्य पेशेवरों को प्रशिक्षण प्रदान करके क्षमता निर्माण में योगदान देने वाले एक प्रमुख संगठन के रूप में स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के तहत काम करता है।

कार्य :

1. एनआईएचएफडब्ल्यू स्वास्थ्य देखभाल कर्मचारियों, श्रमिकों, मान्यता प्राप्त सामाजिक स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं (आशा) और सहायक नर्सिंग मिडवाइफ (एएनएम) को प्रशिक्षण प्रदान करता है।
2. निकाय राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों के उद्देश्यों को प्राप्त करने में सहायता करता है।

खाद्य एवं पोषण बोर्ड :

खाद्य पोषण बोर्ड की स्थापना वर्ष 1964 में खाद्य मंत्रालय के तहत की गई थी लेकिन बाद में इसे महिला एवं बाल विकास मंत्रालय में स्थानांतरित कर दिया गया।

यह संस्था अपने देशव्यापी ढांचे में मुख्य रूप से जनसंख्या के पोषण पर ध्यान केंद्रित करती है क्योंकि पोषण राष्ट्रीय विकास और मानव संसाधनों के विकास की कुंजी है।

कार्य:

1. पोषण संबंधी शिक्षा और प्रशिक्षण, आम जनता और एकीकृत बाल विकास योजना के कर्मचारियों दोनों के लिए।
2. पोषण के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए अभियान,
3. पोषण शिक्षा और प्रशिक्षण के लिए सामग्री विकसित, उत्पादित और वितरित की जा रही है।
4. छोटे पैमाने पर फल और सब्जी संरक्षण और पोषण में प्रशिक्षण।
5. खाद्य विश्लेषण और गुणवत्ता नियंत्रण।
6. राष्ट्रीय पोषण नीति के संबंध में की जाने वाली कार्यवाही।

भारतीय रेड क्रॉस सोसायटी:

भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी 1920 में संसद के एक अधिनियम द्वारा गठित एक स्वैच्छिक संगठन है।

भारत के राष्ट्रपति बोर्ड के अध्यक्ष के रूप में कार्य करते हैं और केंद्रीय परिवार और स्वास्थ्य कल्याण मंत्री अध्यक्ष होते हैं।

कार्य:

1. मानवीय संगठन आपदा के मामलों में राहत प्रदान करता है और कमजोर वर्गों और समुदायों को कम दरों पर चिकित्सा सुविधाएं और देखभाल प्रदान करने में सहायता करता है।
2. संगठन पूरे देश में रक्त कनेक्शन और दान केंद्र, प्राथमिक चिकित्सा, आजीविका कार्यक्रम और अन्य स्वास्थ्य सहायता प्रदान करता है।

भोजन और पोषण की दिशा में काम करने वाली महत्वपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियां:

विश्व स्वास्थ्य संगठन:

WHO 1946 में स्थापित संयुक्त राष्ट्र की एक एजेंसी है और मानव पोषण और आहार विज्ञान की दिशा में गैर–राजनीतिक काम करती है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन का मुख्यालय जिनेवा, स्विट्जरलैंड में स्थित है।

कार्य :

1. यह संगठन यह सुनिश्चित करने के लिए विशेषज्ञों, स्वयंसेवी समूहों, नीति निर्माताओं और सरकारी एजेंसियों के साथ सहयोग करता है कि एक वैश्विक स्वास्थ्य मानक स्थापित हो और हर समय इसका पालन किया जाए।
2. अनुसंधान लगातार बदल रहा है और विकसित हो रहा है, और डब्ल्यूएचओ यह सुनिश्चित करना सर्वोच्च प्राथमिकता मानता है कि विज्ञान में उनकी प्रगति हमेशा सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद रही है।
3. अंतर्राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति और कार्यक्रमों के नियंत्रण और कार्यान्वयन के लिए वैश्विक मानक स्थापित करना की जिम्मेदारियों में से एक है।

संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम:

यूएनडीपी की स्थापना 1966 में गरीब देशों को उनके प्राकृतिक संसाधनों और मानव क्षमताओं का उपयोग करके मानव पोषण और आहार विज्ञान में बदलाव लाने में सहायता करने के लिए की गई थी।

यूएनडीपी की परियोजनाएं शिक्षा, सामाजिक कल्याण, विज्ञान, स्वास्थ्य और आर्थिक क्षेत्र को भी कवर करती हैं।

कार्य:

1. यूएनडीपी विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से जनसंख्या के गरीबी स्तर को कम करने के लिए काम करता है।
2. यूएनडीपी सहस्राब्दी विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने और वैश्विक विकास को प्रोत्साहित करने के लिए गरीबी, एचआईवी, लोकतांत्रिक प्रतिनिधित्व, ऊर्जा और पर्यावरण को कम करने के साथ–साथ संकट की रोकथाम और पुनर्प्राप्ति पर ध्यान केंद्रित करता है।
3. यूएनडीपी विकासशील देशों को विशेषज्ञता, ताकत और कंडीशनिंग प्रदान करता है, और कम आय वाले देशों को समर्थन पर अधिक ध्यान देने के साथ अनुदान सहायता प्रदान करता है।

विश्व खाद्य कार्यक्रम:

60 साल पहले 1961 में 19 दिसंबर को रोम, इटली में स्थापित। विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्ल्यूएफपी) संयुक्त राष्ट्र की खाद्य सहायता शाखा है। यह 80 देशों में कार्यालयों के साथ संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्य का एक कार्यकारी सदस्य है।

कार्य:

1. आज यह भूख और खाद्य असुरक्षा को दूर करने के मिशन पर काम करने वाला सबसे बड़ा मानवतावादी कार्य संगठन है।
2. युद्ध और संघर्ष क्षेत्रों में राहत और सहायता प्रदान करने के लिए इसे 2020 के नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

निष्कर्ष

कई राष्ट्रीय (दोनों संबंधित मंत्रालयों और गैर–सरकारी संगठनों से जुड़े स्वायत्त निकाय) और अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियां हैं जो स्वस्थ जीवन के साधन, पोषण और चिकित्सा देखभाल सुनिश्चित करने में सहायता करती हैं। WHO का लक्ष्य दुनिया भर की आबादी के लिए उच्चतम स्वास्थ्य मानकों का लक्ष्य हासिल करना है।